दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

—प्रवेषांक

3 भाजपा पार्टी में डा आरएमडी अग्रवाल का बढ़ा कद

5 बारिश से जलभराव और गंदगी, लोग परेशान

8 टीम में लगातार जगह नहीं मिलने पर बोले

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 1 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 2.00 रू. | सोमवार 31 जुलाई, 2023

पीएम मोदी ने भारतीय शिक्षा समागम का उद्घाटन किया

पीएमश्री योजना की पहली किस्त जारी की, क्या-क्या कहा

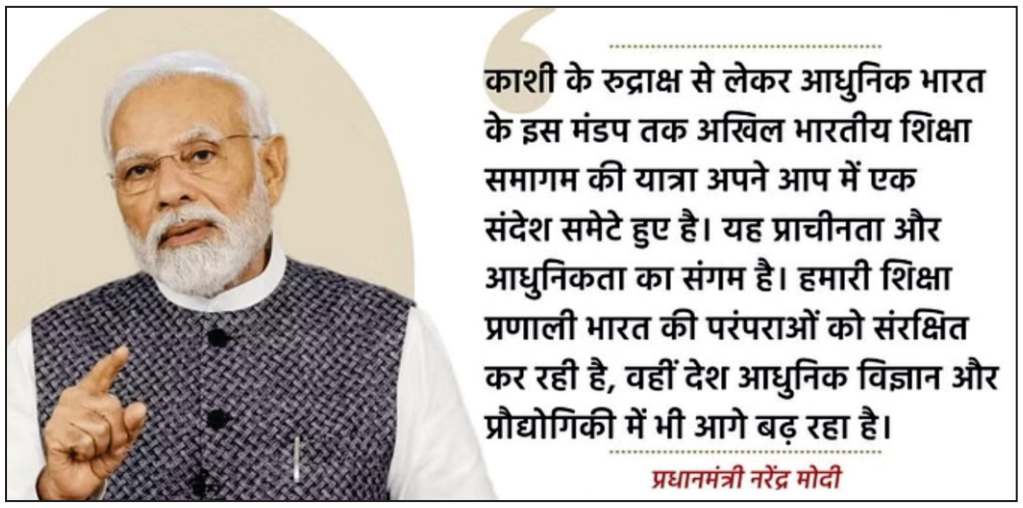

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि NEP ने पारंपरिक ज्ञान प्रणाली से लेकर भविष्य की तकनीक तक को संतुलित तरीके से महत्व दिया है। रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए देश के शिक्षा जगत के सभी महानुभावों ने बहुत मेहनत की है। हमारे छात्र नई व्यवस्थाओं से भली-भांति परिचित हैं, वे जानते हैं कि १०२ शिक्षा प्रणाली की जगह अब ५३३४ लाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० के ३ साल पूरे होने के अवसर पर प्रगति मैदान के भारत मंडपम पहुंचे। यहां उन्होंने अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन का उद्घाटन किया। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० की तीसरी वर्षगांठ के मौके पर इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर पीएम मोदी ने शिक्षा और कौशल की १२ भारतीय भाषाओं में किताबों का विमोचन किया और पीएमश्री योजना के तहत धनराशि की पहली किस्त भी जारी की।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, पीएमश्री योजना के तहत चयनित सरकारी स्कूलों को धनराशि की पहली किस्त जारी की गई। ये स्कूल छात्रों को इस तरह से शिक्षा प्रदान करेंगे कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० की परिकल्पना के अनुरूप एक समतापूर्ण, समावेशी और बहुलवादी समाज के निर्माण में योगदान देने वाले नागरिक बन सकें।

शिक्षा देश का भाग्य बदलने की ताकत रखती है: मोदी

इस दौरान पीएम मोदी ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही है जो देश का भाग्य बदलने की ताकत रखती है। देश जिस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है उसमें शिक्षा की अहम भूमिका है। आप इसके प्रतिनिधि हैं। अखिल भारतीय शिक्षा समागम का हिस्सा बनना मेरे लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर है।

हमारे छात्र नई व्यवस्थाओं से भली-भांति परिचित: पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि NEP ने पारंपरिक ज्ञान प्रणाली से लेकर भविष्य की तकनीक तक को संतुलित तरीके से महत्व दिया है। रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए देश के शिक्षा जगत के सभी महानुभावों ने बहुत मेहनत की है। हमारे छात्र नई व्यवस्थाओं से भली-भांति परिचित हैं, वे जानते हैं कि १०२ शिक्षा प्रणाली की जगह अब ५३३४ लाई जा रही है।

यह प्राचीनता और आधुनिकता का संगम: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी के रुद्राक्ष से लेकर आधुनिक भारत के इस मंडप तक अखिल भारतीय शिक्षा समागम की यात्रा अपने आप में एक संदेश समेटे हुए है। यह प्राचीनता और आधुनिकता का संगम है। हमारी शिक्षा प्रणाली भारत की परंपराओं को संरक्षित कर रही है, वहीं देश आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भी आगे बढ़ रहा है।

दुनिया भारत को नई संभावनाओं की 'नर्सरी' के तौर पर देख रही: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को नई संभावनाओं की 'नर्सरी' के तौर पर देख रही है। कई देश अपने यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के परिसर खोलने के लिए सरकार से संपर्क कर रहे हैं। दो आईआईटी परिसरों-तंजानिया में एक परिसर और अबू धाबी में एक परिसर-का संचालन शुरू होने वाला है। कई वैश्विक विश्वविद्यालय भी हमसे संपर्क कर रहे हैं। वे भारत में अपने परिसर खोलने में रुचि दिखा रहे हैं।

छात्रों को भाषा के आधार पर आंकना अन्याय: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवाओं को उनकी प्रतिभा के बजाय उनकी भाषा के आधार पर आंकना उनके साथ सबसे बड़ा अन्याय है। दुनिया में अलग-अलग भाषाएं हैं और सभी का अपना-अपना महत्व है। अधिकांश विकसित देशों ने अपनी मूल भाषा के आधार पर प्रगति की है। इतनी सारी मूल भाषाएं होने के बावजूद हमने उन्हें पिछड़े के रूप में पेश किया।

एनईपी 2020 के बारे में जानिए

प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर, युवाओं को तैयार करने और उन्हें अमृत काल में देश का नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम करने के उद्देश्य से एनईपी २०२० का शुभारंभ किया गया था। इसका उद्देश्य भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए युवाओं को तैयार करना है तथा उन्हें बुनियादी मानवीय मूल्यों से जोड़े रखना है। अपने कार्यान्वयन के तीन वर्षों के दौरान इस नीति ने स्कूल, उच्च शिक्षा और कौशल शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं।

अगले दो दिन क्या-क्या होगा ?

२९ और ३० जुलाई को आयोजित होने वाला यह दो दिवसीय कार्यक्रम शिक्षाविदों, क्षेत्र विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों, शिक्षकों और स्कूलों, उच्च शिक्षा और कौशल संस्थानों के छात्रों सहित अन्य लोगों को एनईपी २०२० को लागू करने संबंधी अपनी अंतर्दृष्टि, सफलता की गाथाओं तथा सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करने तथा इन्हें और आगे ले जाने के क्रम में रणनीतियां तैयार करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

कुल 16 सत्र होंगे

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में सोलह सत्र शामिल होंगे, जिनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शासन तक पहुंच, न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूह के मुद्दे, राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण समेत अन्य विषयों पर चर्चा होगी।

नई दिल्ली : शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शिष्टाचार भेंट की।

चेयरमैन एम देवराज को हटाने की वजह

मंत्री की बात को करते रहे नजर अंदाज, नहीं सुधार पाए बिजली व्यवस्था, 250 से ज्यादा इंजीनियर सस्पेंड

लखनऊ। यूपी पावर कार्पोरेशन के चेयरमैन एम देवराज को शासन ने हटा दिया है। लेकिन बिजली विभाग के अंदर एम देवराज एक ऐसे अधिकारी के तौर पर जाने जाते रहेंगे जो कभी किसी को पसंद नहीं आए। उसके बाद भी लंबे समय तक विभाग में रहे। उनको हटाने के लिए कर्मचारियों ने ६५ घंटे की हड़ताल की। पिछले दो दशक में सबसे बड़ा आंदोलन रहा। लेकिन एम देवराज को हटाना तो दूर वह विभाग में और मजबूत हो गए। मजबूत भी इतने कि मंत्री की बात भी नहीं सुनते थे। लेकिन ऐसा क्या हो गया कि उनको हटा दिया गया। ... जानते हैं उनके हटने के पीछे की कहानी

बिजली व्यवस्था में नहीं कर पाए सुधार

ईमानदार और सख्त निर्णय लेने के लिए जाने जाने वाले एम देवराज पिछले दो साल से बिजली व्यवस्था में कोई सुधार नहीं कर पाए। विभाग को काम करने के लिए पर्याप्त बजट नहीं मिला। खासकर उपकेंद्र के स्तर पर जो काम होने थे। वह नहीं हुए। ट्रांसफार्मर से लेकर केबिल बदलने तक के काम प्रभावित रहे। इसकी वजह से बिजली व्यवस्था में लगातार गिरावट दर्ज की गई। इसकी परिणाम यह हुआ कि प्रदेश की बिजली व्यवस्था चौपट हो गई।

काम करने और निर्णय लेने से डरने लगे इंजीनियर

एम देवराज ने पिछले दो साल के अंदर विभाग से करीब २५० से ज्यादा इंजीनियरों को सस्पेंड या टर्मिनेट किया। अधिकारियों और इंजीनियरों के बीच उनका डर इतना बढ़ गया कि अधिकारी ठीक काम करने से भी डरने लगा था। अगर कहीं कोई गलती होती है और शिकायत पहुंचती है तो उनके खिलाफ कार्रवाई न हो जाए। जूनियर इंजीनियर संगठन के केंद्रीय महासचिव जेबी पटेल का कहना है कि प्रबंधन को अपने लोगों पर भरोसा करना चाहिए।

जेपी नड्डा की नई टीम में वसुंधरा का कद बरकरार, अलका को जगह देकर गुर्जर समाज को साधा, बंसल को भी पद

जयपुर। भाजपा अध्यक्ष जेपी नेड्डा ने अपनी नई टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में राजस्थान के तीन नेताओं को जगह दी गई है। जो लोकसभा चुनाव अपनी भूमिका निभाएंगे। भारतीय जनता पार्टी मिशन २०२४ की तैयारियों में जुट गई है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसके लिए अपनी टीम का ऐलान भी कर दिया है। राजस्थान के तीन नेताओं को नड्डा की नई टीम में जगह मिली है। इनमें पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, सुनील बंसल और डाक्टर अलका गुर्जर का नाम शामिल है। हालांकि, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे पहले से ही पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थीं, उनके पद को बरकरार रखा गया है। जबकि अलका गुर्जर को राष्ट्रीय सचिव और सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। डाक्टर

जेपी नड्डा की नई टीम में प्रदेश के तीन नेताओं को जगह

अलका को केंद्रीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह देकर भाजपा ने राजस्थान के गुर्जर समाज को साधने का काम किया है। क्योंकि, इसी साल राजस्थान में चुनाव होने और प्रदेश में गुर्जर समाज का बड़ा वोट बैंक हैं। इसके अलावा राजस्थान से ही सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है।

इससे पहले सुनील बंसल को २०२४ लोकसभा चुनाव के लिए महासंपर्क अभियान का यूपी प्रभारी भी नियुक्त किया गया था। अभी तक बंसल की प्रदेश राजनीति में कोई सक्रिय भागीदारी नहीं थी। लेकिन, पिछले कुछ महीनों से कयास लगाए जा रहे है कि उन्हें राजस्थान में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं, राष्ट्रीय कार्यकारणी में वसुंधरा राजे का कद बरकरार रखने से ये साफ हो गया है कि पार्टी उन्हें साथ लेकर चलना चाहती थी। राजस्थान में चुनाव होने हैं ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे बड़ी भूमिका अदा करेंगी।

सम्पादकीय

अपने खिलाफ बन रहे वातावरण से परेशान केन्द्र सरकार अपनी और भी फजीहत न होने देने के लिये कुछ ऐसे कदम उठा रही थी जो हास्यास्पद ही कहे जा सकते हैं

अवार्ड वापसी से घबराई सरकार

अपने खिलाफ बन रहे वातावरण से परेशान केन्द्र सरकार अपनी और भी फजीहत न होने देने के लिये कुछ ऐसे कदम उठा रही थी जो हास्यास्पद ही कहे जा सकते हैं। उसने तय किया है कि किसी भी तरह के अवार्ड देने के लिये जिन लोगों के नाम शार्ट लिस्ट होते हैं उनसे पहले ही वह लिखवा लेगी कि प्राप्तकर्ता द्वारा किसी भी स्थिति में या विरोधस्वरूप ये अवार्ड वापस नहीं किये जायेंगे। पहले हुए ऐसे कुछ उदाहरणों को ध्यान में रखकर ही सम्भवतरू सरकार ने इस आशय का फैसला लिया है, लेकिन यह फैसला बतलाता है कि विरोध से यह सरकार किस कदर घबराती है। जिस तरह से कोई सम्मान पाने की कोशिश करना या प्राप्त करना किसी का हक है वैसे ही सरकार के विरोध में या उसकी किसी रीति-नीति से नाराज होकर पुरस्कार ठुकराना या लौटाना भी उसका अधिकार है।

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ऐसे कुछ उदाहरण सामने आये हैं जब मानव गतिविधियों के विविध क्षेत्रों में जिन लोगों को उनके उंत्ष्ट कार्यों के लिये सरकार द्वारा अवार्ड दिये गये थे, कुछ ने कतिपय मुद्दों पर अपनी असहमति, नाराजगी या विरोध जताते हुए अपने अवार्ड वापस किये थे। इसे सरकार अपनी किरकिरी मानती रही है। नाराजगी दूर करने या अपनी कार्यप्रणाली को सुधारने की बजाय सम्मान न लौटाये जायें, इसके इंतजाम करना एक अजीब सी बात है। साल २०१५ के दौरान कर्नाटक के प्रख्यात लेखक एमएम कलबुर्गी की हत्या के विरोध में ३६ लेखकों ने साहित्य अकादमी पुरस्कार लौटा दिये थे। इस स्थिति से निपटने के लिये ही शायद संसद की एक स्थायी समिति ने अकादमी पुरस्कारों के लिए श र्ट लिस्ट होने वाले उम्मीदवारों से ऐसा शपथ पत्र पहले से लेने का सुझाव दिया है कि प्राप्त होने पर वे सम्मान लौटाएंगे नहीं। पर्यटन, परिवहन और संसेंति पर संसदीय स्थायी समिति ने सोमवार को राज्यसभा को अपनी रिपोर्ट सौंपी जिसमें यह सिफारिश की गयी है। सम्मान लौटाने को अपमानजनक बताया गया है। पुरस्कार लौटाने का इतिहास पुराना है। जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में महात्मा गांधी ने बोअर युद्ध के दौरान उनकी सेवाओं के लिये ब्रिटिश सरकार द्वारा दिया गया कैसर-ए-हिंद पुरस्कार और नोबेल विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने नाइटहुड की उपाधि लौटाई थी। १६५४ में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आशादेवी आर्यनायकम ने पद्मश्री और १६८४ में अ परेशन ब्लू स्टार से व्यथित प्रसिद्ध लेखक खुशवन्त सिंह ने पद्मभूषण लौटाया था। नृत्यांगना सितारा देवी ने १६७३ में पद्मश्री तो स्वीकारा लेकिन बाद में पद्मभूषण लेने से यह कहकर इंकार कर दिया कि वे भारत रत्न से छोटा पुरस्कार नहीं लेंगी। १६६१ में सरदार सरोवर बांध के निर्माण के विरोध में बाबा आमटे ने पद्म विभूषण और १६७१ में मिला पद्मश्री लौटाया था। पर्यावरणवादी सुंदरलाल बहुगुणा ने पेड़ों की कटाई के विरोध में १६८१ में पद्मश्री ठुकराया पर २००६ में पद्म विभूषण स्वीकार कर लिया। प्रसिद्ध अभिनेता सौमित्र चटर्जी ने पहले पद्मश्री अस्वीकार कर दिया पर बाद में पद्म विभूषण ले लिया। बिलियर्ड्स चौंपियन माइकेल फरेरा ने भी पद्मश्री को नकारा पर पद्म विभूषण लिया। सरोद वादक बुद्धदेव दासगुप्ता की भी यही कहानी है। अन्ना हजारे ने शासकीय भ्रष्टाचार के विरोधस्वरूप १६६१ में पद्मश्री लौटाया पर अगले साल पद्म भूषण स्वीकार लिया। श्री श्री रविशंकर ने २०१५ में पद्म विभूषण ठुकराया पर २०१६ में जब कई लोग अपने सम्मान लौटा रहे थे, तो इसे ग्रहण कर लिया।

मदर टेरेसा ने १६६० व १६६१ में दो बार पद्मश्री यह कहकर नहीं लिया कि वे तो ईश्वर की सेवा कर रही हैंय पर नोबेल पुरस्कार मिलने के पश्चात भारत रत्न ले लिया। उद्योगपति के. के. बिड़ला ने इंदिरा गांधी द्वारा पद्मभूषण की पेशकश के प्रति अनासक्ति जतलाई। दूसरी बार उन्होंने फिर से इसे यह कहकर नकारा कि इससे वे अपने पिता के समकक्ष आ जायेंगे जो यही पुरस्कार पा चुके थे।

गांधीवादी अमलप्रवा दास ने पद्मश्री व पद्म विभूषण दोनों ही ठुकराये थे। शासकीय ंषि नीति के खिलाफ महाराष्ट्र के किसान नेता शरद जोशी ने जीते जी पद्मश्री तो ठुकराया ही, मरणोपरांत उन्हें दिये जा रहे पद्म विभूषण को भी लेने से उनके परिजनों ने इंकार कर दिया। सितार वादक विलायत खान ने १६६४ में पद्मश्री, १६६८ में पद्मभूषण और २००० में पद्म विभूषण इसलिये इंकार कर दिया कि चयन समितियां उनके संगीत का मूल्यांकन करने में अक्षम हैं। प्रसिद्ध बांग्ला नाटककार बादल सरकार ने पद्मश्री (१६७२) और पद्म भूषण (२०१०) इसलिये नकारा कि वे पहले ही (१६६८) संगीत नाटक अकादमी से पुरस्ेत हैं जो उनके कामों को बेहतर जानती है। कवि सुरजीत पातर ने देश में बढ़ती असहिष्णुता के खिलाफ १६६३ में प्राप्त साहित्य अकादमी और २०२० में २०१२ में मिला पद्मश्री लौटाया था। पत्रकार मणिकोंडा ने भी दो बार पद्म विभूषण नकार दिया। सम्मान लेना या न लेना किसी की मर्जी पर है और लौटाना भी उसका अपना निर्णय है। सरकार को तो यह देखना चाहिये कि जिन मुद्दों के खिलाफ सम्मान लौटाया जा रहा है उसका निवारण हो। सम्मान वापसी को प्रतिष्ठा का मुद्दा न बनाकर सरकार को उदार दिल दिखाना चाहिये। यह लिखवाकर लेना कि मिलने पर वे अवार्ड वापस नहीं करेंगे, सरकार का भय दर्शाता है कि वह अपनी छवि गिरने की कितनी चिंता करती है। इससे यह भी झलकता है कि सरकार को प्रतिभाओं की न तो तासीर का अंदाजा है और न ही वे उनका सम्मान करना जानते हैं। सचमुच का प्रतिभाशाली व्यक्ति सम्मान लौटाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखेगा। लिखकर वे ही देंगे जो दोयम दर्जे के होंगे।

अविश्वास प्रस्ताव क्यों

मणिपुर की घटनाओं पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहा गतिरोध आखिर सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव की वजह बन गया। दिलचस्प है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मणिपुर पर चर्चा चाहते हैं, फिर भी चर्चा नहीं हो पा रही और म नसून सत्र का एक-एक दिन हंगामे की भेंट चढ़ता जा रहा है। गतिरोध की जड़ में है यह सवाल कि किस नियम के तहत चर्चा हो। सत्ता पक्ष नियम १७६ के तहत चर्चा कराने को तैयार है, मगर विपक्ष अड़ा हुआ है कि चर्चा नियम २६७ के तहत ही हो। पहले नियम के तहत संक्षिप्त चर्चा होती है, हालांकि सबकी सहमति से चर्चा की अवधि को कुछ बढ़ाया जा सकता है। मगर यह बढ़ाई हुई अवधि भी विपक्ष को कम लग रही है। वह चाहता है कि सभी कामकाज स्थगित कर मणिपुर पर विस्तार से चर्चा हो। दूसरी बात इसके साथ लगी हुई यह है कि इस नियम के तहत चर्चा होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वक्तव्य देना होगा। विपक्ष की मूल मांग यही रही है कि प्रधानमंत्री सदन के अंदर मणिपुर पर बयान दें। सरकार इसे अनावश्यक बताती रही है।

उसके मुताबिक चूंकि मामला कानून-व्यवस्था का है, इसलिए गृहमंत्री का बयान देना काफी है। बहरहाल, दोनों पक्षों की यही जिद है जिसकी परिणति अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस के रूप में हुई है। सवाल है कि इस अविश्वास प्रस्ताव से आखिर विपक्ष को क्या मिल जाएगा। सदन में सरकार को पूर्ण बहुमत हासिल है ही, अगर उसने जोर लगाया तो हो सकता है जिन दलों के विपक्षी गठबंधन की ओर जाने की थोड़ी-बहुत संभावना अभी बनी हुई है, उनमें से भी कुछ दल अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार का समर्थन करते दिख जाएं। प्रधानमंत्री ने कह भी दिया है कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाना चाहता है तो लाने दीजिए, उसे इससे कुछ हासिल नहीं होगा। दूसरी ओर, विपक्ष ने अपने इस कदम से ज्यादा उम्मीदें ही नहीं पाली हैं। उसके मुताबिक वह इस प्रस्ताव के जरिए किसी को हराना या जीतना नहीं चाहता।

इस देश के लोगों से बना है इंडिया

बुधवार सुबह ट्विटर उर्फ एक्स पर अंतोनियो माइनो हैशटैग पर कई सारे ट्वीट्स किए जाने लगे, जो पूरी तरह सोनिया गांधी और राहुल गांधी को निशाना बनाने के लिए थे

सोशल मीडिया हैशटैग से आपको गुमराह करेगा और मुख्यधारा का मीडिया पाकिस्तान चली गई अंजू, भारत में प्रेम की तलाश में पहुंची सीमा हैदर या फिर ज्योति मौर्य के पारिवारिक झगड़ों की कहानियां चटखारों के साथ पेश करके आपका ध्यान भटकाएगा। इंडिया नाम भले ही अब विपक्षी मोर्चे का है, लेकिन इंडिया इस देश के लोगों से ही बना है, और इसका अपमान करने का हक किसी को नहीं है, जनता को ये संदेश हुक्मरानों तक पहुंचा देना चाहिए। बुधवार सुबह ट्विटर उर्फ एक्स पर अंतोनियो माइनो हैशटैग पर कई सारे ट्वीट्स किए जाने लगे, जो पूरी तरह सोनिया गांधी और राहुल गांधी को निशाना बनाने के लिए थे। यह संयोग नहीं है कि बुधवार को ही विपक्षी मोर्चे यानी इंडिया ने मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव देने की तैयारी की थी। प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया है लेकिन उस पर बहस कब होगी, यह अभी तय होना बाकी है। बहरहाल, चंद घंटों में ये हैशटैग गायब हो गया और दूसरी खबरें तैरने लगीं। सोशल मीडिया का यही कमाल है कि यहां किसी भी खबर को अपनी सुविधा के हिसाब से प्रस्तुत किया जाता है और माहौल बनाने के लिए हैशटैग का नामकरण होता है।

अंतोनियो माइनो हैशटैग से समझा जा सकता है कि यह सोनिया गांधी की विदेशी पहचान को फिर से चर्चा में लाने की साजिश है। सोनिया गांधी के साथ राहुल गांधी के नाम को भी बिगाड़ कर पेश किया गया। ताकि एक ही बार में दोनों की छवि खराब की जा सके। जो लोग सोशल मीडिया के प्रभाव में न आकर अपने विवेक से खबरों का विश्लेषण करते हैं, वो जानते हैं कि सोनिया गांधी पर ऐसे हमले कितने बरसों से हो रहे हैं। उनका विदेशी मूल का होना तो केवल एक बहाना है। ये हमले इसलिए होते हैं क्योंकि सोनिया गांधी ने जिस तरह से भारतीयता को आत्मसात किया है, उसमें उनके विरोधी (जिनमें अधिकतर संघ और भाजपा के सदस्य हैं) खुद को उनके आगे बौना पाते हैं। अपने व्यक्तित्व के बौनेपन की कुंठा दूर करने का केवल एक ही उपाय इन्हें समझ आता है कि सोनिया गांधी का चरित्रहनन किया जाए। बरसों से जारी इन कोशिशों के बावजूद सोनिया गांधी हर बार पहले से अधिक चारित्रिक दृढ़ता और संयम के साथ ऐसे लोगों के सामने डटकर खड़ी दिखाई देती हैं। बुधवार को जब ट्विटर पर उनके पीहर के नाम के साथ उन पर कीचड़ उछालने की कोशिशें चल रही थीं, तब सोनिया गांधी संसद परिसर में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को आश्वासन दे रही थीं कि कांग्रेस उनके साथ खड़ी है। पाठक जानते हैं कि राज्यसभा में आप सांसद संजय सिंह को निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि उन्होंने मोदी सरकार से मणिपुर के मुद्दे पर जवाब मांगा है। इस मांग को लेकर वे वेल तक आ गए तो नैतिकता और नियमों का हवाला देते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया। तीन दिनों से कई सांसद संजय सिंह का साथ देने के लिए संसद परिसर में रात बिता रहे हैं। सोनिया गांधी ने एक वरिष्ठ राजनेता और सांसद होने के नाते इस मुश्किल वक्त में संजय सिंह का साथ दिया और इसके बाद सोशल मीडिया पर सोनिया गांधी हैशटैग ट्रेंड करने लगा। संजय सिंह और सोनिया गांधी के बीच हुई संक्षिप्त बातचीत का वीडियो चलन में आ गया। सोशल मीडिया पर हैशटैग का यह बदलाव राजनीति में भाजपा के मुकाबले इंडिया के मजबूत होते जाने का संकेत दे रहा है। पिछले ६ सालों के तमाम संसद सत्रों में भाजपा के मुकाबले विपक्ष रहता तो था, लेकिन उसमें बिखराव था। लेकिन इस मानसून सत्र में पहली बार इंडिया से भाजपा का वास्ता पड़ा है और इसी से उसमें घबराहट दिखाई दे रही है। भाजपा ने इस बात की उम्मीद नहीं की होगी कि मणिपुर पर जवाब न देना उसे इस बार संसद में इतना भारी पड़ जाएगा।

आंकड़े बदले हैं, गरीबी नहीं

हमारे प्रधानमंत्री कहीं ऐसे आंकड़ों का हल्का लाभ ले सकते हैं, चुनाव में उसे गरीबी हटाओ जैसा नारा नहीं बना सकते। उन्होंने अगर कोरोना काल में अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने का फैसला किया है तो यह देखकर ही कि किस तरह तालाबंदी घोषित होते ही करोड़ों प्रवासी घर की तरफ भागे क्योंकि कमाने की जगह पर होने के बावजूद वे हफ्ते भर का राशन जमा करने की स्थिति में नहीं थे। इंदिरा गांधी को दोष दिया जाता है कि उन्होंने गरीबी हटाओश के नारे का राजनैतिक इस्तेमाल कर लिया और गरीबी जस की तस बनी रही। जाहिर है तब भी, अर्थात सत्तर के दशक के शुरुआत में गरीबी हमें चुभने लगी थी और इसे राजनीतिक इस्तेमाल करने की स्थिति आ गई थी बल्कि साठ के दशक के अंत में महंगाई बड़ा मुद्दा बनी थी और कांग्रेस १६६७ का चुनाव मुश्किल से जीत पाई थी। इंदिरा गांधी ने अपनी समझ से समाजवाद लाने की दिशा में प्रिवीपर्स की समाप्ति और बैंकों के राष्ट्रीयकरण जैसे की कदम उठाए थे जिसके बाद ही उनको इस नारे की सूझी होगी और लोगों ने भी उसी आधार पर इसे भी एक बड़ा प्रयास मानते हुए इंदिरा गांधी को वोट दिया।

आज फिर चुनावी राजनीति में गरीब और खास तौर से गरीबों की संख्या मुद्दा बनती जा रही है और संभव है काफी सारे मुद्दे हवा में उछालकर टेस्ट कर चुकी मोदी सरकार को अपनी यह उपलब्धि चुनाव जिताने लायक लगे। अपनी हाल की अमेरिका यात्रा में वहां की संसद के दोनों सदनों की साझा बैठक को संबोधित करते समय उन्होंने जब देश से गरीबी घटाने की बात की तो सबसे जोरदार तालियां बजी थीं। प्रधानमंत्री जो आंकड़े दे रहे थे वे ऐसे जोरदार थे भी। मोदी जी ने कहा कि देश में गरीबों की संख्या में लगभग ४२ करोड़ की कमी हो चुकी है। जाहिर तौर पर वे इसे अपनी सरकार की नौ साल की उपलब्धि बताते रहे। और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच वे मजे लेकर यह भी बताते रहे कि यह संख्या यूरोप के किसी भी देश की आबादी से काफी अधिक ही नहीं अमेरिका की आबादी से भी अधिक है। किसी देश का प्रधानमंत्री, और वह भी जिसे संसद के संयुक्त सत्र में भाषण देने के लिए बुलाया जाए, अगर ऐसी उपलब्धि बताता है तो उत्साह दिखाना या तालियां बजाना तो बहुत छोटी बात है।

कायदे से इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मानना चाहिए और यह बात इतिहास में दर्ज होने लायक है। जल्दी ही यह बात खुल गई कि प्रधानमंत्री जिस आंकड़े का जिक्र कर रहे थे वह यूएनडीपी की एक खास शैली की गणना पर आधारित है (और यह प्रति व्यक्ति आय या खर्च वाली पारंपरिक गणना नहीं है) और ये आंकड़े असल में २००५-०६ से २०१६-२० के हैं। इसका मतलब हुआ कि ज्यादातर हिसाब मनमोहन सरकार के दौर का है और इस सरकार के कामकाज के पहले पांच साल ही हिसाब में आए हैं। दूसरी गड़बड़ बाद में कई अर्थशास्त्रियों ने बताई कि हाल के वर्षों में आंकड़ों का जमा होना और उनका हिसाब ही गड़बड़ा गया है, इसलिए इस पूरे आंकड़े को बहुत विश्वसनीय नहीं माना जा सकता।

रायटर्स ने बाद में भारत सरकार के आंकड़ों के आधार पर ही बताया कि मार्च २०२१ के पहले के पांच वर्षों में भारत में १३.५ करोड़ लोग गरीबी से मुक्त हो गए। यह आंकड़ा यूनाइटेड नेशंस मल्टीडाईमेंशनल प वर्टी इंडेक्स के आधार पर तैयार हुआ है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल, ईंधन जैसे बारह मानकों का हिसाब रखा जाता है। इसमें प्रति व्यक्ति खर्च का आधार भी हल्का ऊंचा है।

अब जब सामान्य आंकड़े नहीं जुटाए जा रहे हैं तो बारह तरह के आंकड़े कैसे आए? यह सवाल अपनी जगह है। पर बयालीस करोड़ और साढ़े तेरह करोड़ का फर्क तो कोई भी बताया सकता है। लेकिन अगर हम इसमें कोरोना काल और अभी हाल तक सरकार द्वारा गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराने वाले आंकड़ों को सामने रख दें तो आंकड़े क्या हमारी बुद्धि भी काम करना बंद कर देगी क्योंकि सरकार ८० करोड़ गरीबों को राशन खिलाने के दावे करती रही है। बहुत सारे राजनैतिक पंडित इससे पैदा लाभार्थियों का वोट मोदीजी के लिए सबसे बड़ी ताकत मानते रहे हैं। वैसे साढ़े तेरह करोड़ का आंकड़ा भी कम नहीं है क्योंकि यह देश की आबादी का दस फीसदी हुआ।

आईबॉक इकाई ने किया वृक्षारोपण

वृक्षारोपण करते आईबॉक के सदस्य

गोरखपुर,ब्यूरो

बैंकों के राष्ट्रीयकरण के 55 वर्ष पूर्ण होने पर बैंक आफिसर संगठन आईबॉक गोरखपुर इकाई ने वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें गोरखपुर के विभिन्न पार्कों में बैंक आफीसर्स के द्वारा वृक्षारोपण किया गया इस क्रम में बैंक आफ इंडिया (आईबॉक) गोरखपुर के आंचलिक अध्यक्ष राहुल रंजन ने बताया कि बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद देश की अर्थव्यवस्था को बैंकों ने समय-समय पर संभाला है चाहे वह रोजगार सृजन की बात रही हो चाहे २००८ की आर्थिक मंदी या २०१६ में की गई नोटबंदी हर परिस्थिति में बैंक देश के साथ खड़े रहे हैं इस अवसर पर आंचलिक सचिव आदित्य कौशिक, पवन कुमार मनोज सिन्हा अखिलेश सिंह विनय कुमार श्रीवास्तव चंद्र कुमार श्रीवास्तव वह बैंक के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा पार्टी में डा आरएमडी अग्रवाल का बढ़ा कद, बनाए गए राष्ट्रीय महामंत्री

गोरखपुर। डा. राधा मोहन दास अग्रवाल का कहना है कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका बखूबी निर्वहन किया जाएगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली भाजपा सरकार विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रही है। राज्यसभा सदस्य डा आरएमडी अग्रवाल को भाजपा में राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। इससे उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। बता दें कि गोरखपुर सदर विधानसभा क्षेत्र से डा अग्रवाल चार बार विधायक रहे हैं। डा. राधा मोहन दास अग्रवाल का कहना है कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका बखूबी निर्वहन किया जाएगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली भाजपा सरकार विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रही है। अब राज्यों में भाजपा की जड़ें और मजबूत करनी हैं। संगठन के साथ मिलकर जनसमर्थन और बढ़ाना है। इस दिशा में रणनीति बनाकर काम किया जाएगा।

क्या आपका बच्चा सुरक्षित स्कूल जा रहा है

नजान आटो चालकों, खुले नालों और वाहनों के बीच हर पल जोखिम

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के बिलंदपुर में अयान की कार में बंद होने से मौत के बाद से परिजन स्तब्ध हैं। उन्हें हर पल अपने बच्चों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। कार के पास बच्चों को खेलता देखकर लोग टोक रहे हैं कि उसमें अकेले मत बैठना। मगर कार ही नहीं, स्कूली बच्चों के इर्द-गिर्द तमाम खतरे और भी मंडरा रहे हैं। अनजान आटो-ईरिक्शा चालक, खुले नालों और भारी वाहनों के बीच बच्चे हर पल खतरे का सामना कर रहे हैं। ऐसे में अगर अभिभावक जागरूक नहीं हुए तो नौनिहाल कब हादसे के शिकार हो जाएं, कहा नहीं जा सकता। अयान का मामला तो घर के अंदर से जुड़ा है, मासूमों को बाहर भी कम खतरे का सामना नहीं करना पड़ रहा। बिना जांच-पड़ताल के स्कूलों में लगाए गए ई-रिक्शा और आटो से स्कूल जाने वाले बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं। यही नहीं मालूम कि चालक कौन और कैसा व्यक्ति है। कोई बड़ी बात नहीं कि दिल्ली-एनसीआर में हुई कुछ घटनाओं की तरह चालक ही बच्चों के लिए खतरा बन जाएं। यही नहीं, स्कूल की छुट्टी के समय भी बच्चों को काफी सांसत झेलनी पड़ रही है। तेज रफ्तार गाड़ियों के बीच सड़क पार कर अपनों तक पहुंचना बच्चों के लिए रोजाना जोखिम भरा होता है।

ज्यादा बच्चों को बैठाने के लालच में छोटे-छोटे बच्चों को भी आटो में आगे की सीट पर ठूंसा जा रहा है। अगर बच्चे चंचल हैं और ताकझांक करने लगे तो हादसे के शिकार हो सकते हैं। ऐसे में अभिभावकों की भी जिम्मेदारी बड़ी हो जाती है कि वे सतर्क रहें और यह जरूर सत्यापित कर लें कि ई-रिक्शा और आटो चालक का चालचलन ठीक है या नहीं। उनके बच्चे सुरक्षित तरीके से स्कूल आ-जा रहे हैं या नहीं। बच्चों के साथ छेड़खानी और हादसे से जुड़ी कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनसे सबक लेने की जरूरत है।

शुक्रवार दोपहर १२ से १रू३० के बीच सिविल लाइंस क्षेत्र में स्थित लगभग सभी स्कूलों के बाहर ई-रिक्शा और आटो की लंबी कतार दिखी। जैसे ही छुट्टी हुई, स्कूल के बाहर खड़े आटो और ई-रिक्शा बच्चों से भर गए। चालक, बैग आटो की छतों पर रख दे रहे थे, क्योंकि आटो में रखने तक की जगह नहीं थी। आटो में छह लोगों की सीट पर आठ से १० बच्चे और ई-रिक्शा की चार लोगों की सीट पर छह से आठ बच्चे बैठे नजर आए।

बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेश सरकार ने आटो और ई- रिक्शा में स्कूली बच्चों का लाना, ले जाना प्रतिबंधित कर रखा है। ऐसे में उन्हें स्कूल परमिट, परिवहन विभाग की ओर से नहीं दिया जाता। बावजूद इसके, अभिभावक अपने बच्चों को बिना किसी चिंता व डर के असुरक्षित आटो व ई-रिक्शा से स्कूलों में भेज रहे हैं। महानगर में लगभग दो हजार आटो और ई-रिक्शा, बच्चों को स्कूल से लाने-ले जाने का काम जिम्मेदारों की आंखों के सामने बेरोकटोक कर रहे हैं।

रीमा श्रीवास्तव, निदेशक, स्प्रींगर गर्ल्स स्कूल

स्कूल में बच्चों के सुरक्षा की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की है। इसके लिए विद्यालय प्रबंधन हर संभव प्रयास करता है कि उनके बच्चों को स्कूल में किसी तरह की कोई दिक्कत न हो। बच्चों की निगरानी के लिए ११ सदस्यीय टीम बनाई गई है। खास तौर पर छोटे बच्चों की निगरानी की जाती है। छोटे बच्चों के अभिभावकों के लिए कार्ड बनाया गया है। जिसके पास कार्ड होता है, वहीं बच्चे को स्कूल से ले जा सकते हैं। छोटे बच्चों को स्कूल भेजने के लिए आटो और ई रिक्शा की मनाही है। -विवेक कुमार श्रीवास्तव, प्रबंधक रैंपस

बच्चों की सुरक्षा बहुत अहम मुद्दा है। स्कूल में छात्र बाइक और स्कूटी से आते हैं, जबकि उनकी उम्र १८ वर्ष से कम है। वहीं, ई-रिक्शा और टैंपों पर इतने ज्यादा छात्रों को बैठाते हैं कि गिरने का डर बना रहता है। इन मुद्दों को लेकर कार्यशाला आयोजित होनी चाहिए। शिक्षक-अभिभावक मीटिंग में भी जागरूक किया जाना चाहिए। स्कूल में बसों चालक और परिचालक का पता सत्यापन कराने के बाद रखा जाता है। सीसीटीवी कैमरे तो हर स्कूल में जरूरी कर देना चाहिए। कैमरों का मेंटेनेंस भी नियमित हो। -अरविंद विक्रम सिंह

अभिभावक बोले

बच्चों के स्कूल लाने और ले जाने को लेकर परिवार के लोग बहुत गंभीर हैं। इसलिए बच्चों को आटो से स्कूल नहीं भेजती हूं। नौकरी करने के बावजूद समय निकालकर खुद बच्चों को स्कूल छोड़ने आती हूं और लेकर जाती हूं।-प्रतिमा श्रीवास्तव, विजय चौक

पहले बच्चे को आटो से स्कूल भेजती थी, स्कूटी से खुद ही बच्चे को छोड़ने आती हूं और उसे लेकर घर जाती हूं। सभी अभिभावकों को अपने बच्चों की सुरक्षा का ख्याल रखना चाहिए, उन्हें आटो और ई रिक्शा से स्कूल नहीं भेजना चाहिए। -विभा सिंह, तारामंडल

आटो और ई-रिक्शा चालक बच्चों को वाहन में मानक की तुलना में ज्यादा बैठाते हैं, इससे उनकी जान पर खतरा बना रहता है। बच्चों की सुरक्षा के लिए हम सभी काम छोड़कर घर से बच्चों को छोड़ने और लेने आते हैं। -सविता, मोहद्दीपुर

आटो और ई-रिक्शा चालकों के भरोसे बच्चों को नहीं छोड़ना चाहिए। उन्हें बच्चों की सुरक्षा का ख्याल नहीं रहता है। ज्यादा कमाई के लिए वह बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करते हैं। अभिभावकों को खुद ही बच्चों को स्कूल छोड़ने और लेने जाना चाहिए। राजेश सोनकर, सिनेमा सुमेर सागर रोड

स्कूल में बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाता है। बच्चों के स्कूल में प्रवेश करने के साथ ही उनकी निगरानी शुरू हो जाती है। इसके लिए पांच सदस्यीय टीम बनाई गई है, जो हमेशा बच्चों पर नजर रखती है। बच्चों को स्कूल से वही ले जा सकता है, जिनका फोटो स्कूल के रिकार्ड में दर्ज हो। इसके अलावा किसी के साथ बच्चे नहीं भेजे जाते हैं। शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन में अभिभावकों से अपील की जाती है कि वह आटो और ई-रिक्शा से स्कूल न भेजें।

खोराबार टाउनशिप

बहुमंजिली इमारत में बसाए जाएंगे खोराबारवासी, मुआवजा भी पाएंगे

गोरखपुर। डीएम कृष्णा करुणेश ने कहा कि खोराबार टाउनशिप में जिनके मकान कॉलोनी में न होकर अगल-अलग बने हैं। उन्हें बहुमंजिली इमारत में आवास आवंटित किया जाएगा। इसके लिए ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवास आरक्षित किए गए हैं। खोराबार टाउनशिप के दायरे में जिन लोगों ने मकान बनवाए हैं, उन्हें पास की ही एक बहुमंजिली इमारत में बसाया जाएगा। इसके लिए ईडब्ल्यूएस श्रेणी में २० फीसदी फ्लैट आवास आरक्षित कर लिए गए हैं। इसके लिए आवंटियों को सवा नौ लाख रुपये जमा करने होंगे।

प्रशासन का कहना है कि कुछ लोगों ने फ्लैट के लिए आवेदन भी कर दिया है। ऐसे लोगों को उनके मकान का मुआवजा भी जीडीए देगा। इसे लेकर सर्वे भी कराया जा रहा है।

जीडीए ने करीब १८४ एकड़ क्षेत्रफल में खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना लांच की है। इसमें से करीब १०६ एकड़ में खोराबार टाउनशिप, जबकि ७५ एकड़ में मेडिसिटी विकसित की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने २८ मार्च को इस योजना को लांच किया था।

इस इलाके में जमीन अधिग्रहण को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध कर दिया। पिछले दिनों लोगों ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर अपनी बात रखी थी। इसके बाद सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि किसी को बेघर न करें। आवास की व्यवस्था प्रशासन कराए और मामले को बातचीत करके सुलझाएं। इसके बाद अधिकारियों ने मंथन शुरू किया और तय हुआ कि सर्वे में ऐसे लोगों को चिह्नित किया जाए, जिनके आवास कॉलोनी में न होकर कुछ-कुछ दूरी पर बने हैं।

अभी तक की जानकारी में करीब ४० से ५० मकान चिह्नित किए गए हैं। इनमें से कुछ लोगों ने बहुमंजिली इमारत में एक तरफ बनाए गए ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवंटन के लिए सहमति भी दे दी है। फ्लैट के लिए सवा नौ लाख देने होंगे।

नवनिर्मित मकान के बरामदे में मिला वाहन चालक का शव, परिजन बोले– दो दिन से था लापता

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के रोहुआ मुस्तफाबाद स्थित नवनिर्मित मकान के बरामदे में शनिवार को एक युवक का शव मिला। शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं है। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह साफ होगी।

आजमगढ़ जिले के रोहुआ मुस्तफाबाद स्थित नवनिर्मित मकान के बरामदे में शनिवार सुबह लोगों ने एक युवक का शव पड़ा देखा। सूचना पर गंभीरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। कुछ ही देर में शव की शिनाख्त सराय पलटू गांव निवासी युवक कमलेश्वर राय (३५) के रूप में की गई। वह वाहन चालक था। दो दिन से लापता था। पुलिस ने परिजनों को सूचना दिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के रोहुआ मुस्तफाबाद में एक ढाबा है। इसी ढाबे के बगल में रेवरा गांव निवासी रामधनी चौहान का नवनिर्मित मकान है। शनिवार सुबह लगभग नौ बजे स्थानीय

लोगों ने मकान के बरामदे में एक युवक का शव पड़ा हुआ देखा। शव मिलने की सूचना पर गंभीरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव की शिनाख्त में जुट गई। कुछ ही देर में मृतक की पहचान सराय पलटू गांव निवासी कमलेश्वर राय ३५ के रूप में कर ली गई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को घटना से अवगत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। परिजनों के अनुसार मृतक वाहन चालक का काम करता था। बीते दो दिनों से वह घर नहीं लौटा था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय मौसी! आपको पता है प्रोफेसर साहब की रंगीन मिजाजी तो विरोध क्यों नहीं करतीं

गोरखपुर। वायरल आडियो में बातचीत के मुताबिक, छात्रा को प्रोफेसर अपने घर भी ले जाते थे। पत्नी को इसकी जानकारी होने के बाद भी वह विरोध करने का हिम्मत नहीं जुटा पाती थीं। पत्नी व बच्चों की मौजूदगी में वह छात्रा को लेकर काफी देर तक कमरे में रहते थे। मौसी ! प्रोफेसर साहब तो एक छात्रा के साथ खुलेआम घूमते हैं, घर पर भी लेकर आते हैं। आप सब जानती हैं तो फिर विरोध क्यों नहीं करतीं?

मौसी अपनी बेबसी जाहिर कर युवती को वीसी एवं अन्य प्लेटफॉर्म पर शिकायत करने की सलाह दे रही हैं। युवती और मौसी की बातचीत का यह वायरल आडियो गोरखपुर विश्वविद्यालय के रंगीन मिजाज प्रोफेसर से जुड़ा है। यह आडियो राष्ट्रीय महिला आयोग के पास भी पहुंचा है। इस आडियो से रंगीन मिजाज प्रोफेसर की करतूतें सबके सामने आ गई हैं।

अंदरखाने की चर्चा है कि आडियो में जो युवती अपनी कथित मौसी से प्रोफेसर के कारनामों की बात कर रही है, उसके भी नजदीकी रिश्ते प्रोफेसर से रहे हैं।

बाद में जब छात्रा, प्रोफेसर के करीब आ गई तो युवती से दूरियां बढ़ गईं। चर्चा है कि इसी युवती ने खुद को मोबाइल मैकेनिक बताकर साक्ष्यों के साथ आयोग और कुलपति से शिकायत की है। युवती और मौसी की बातचीत के पांच-छह आडियो आयोग को भेजे गए हैं।

जबसे यह प्रकरण सामने आया है विश्वविद्यालय के सभी विभागों में चटकारे लेकर लोग जानकारियां जुटा रहे हैं।

कहा यह भी जा रहा है कि कथित मौसी से जो युवती बात कर रही है, उसी ने पहले गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति से शिकायत की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर उसने राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत कर दी। अपनी पहचान छिपाने के लिए खुद को मोबाइल मैकेनिक बताकर शिकायतकर्ता बन गई।

मोबाइल नंबर से शिकायतकर्ता तक पहुंची टीम

राष्ट्रीय महिला आयोग से वीडियो व आडियो समेत अन्य साक्ष्य भेजकर शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता ने जो मोबाइल नंबर दिया था, उससे विश्वविद्यालय की आंतरिक टीम ने संपर्क किया तो वह एक युवती का निकला। पहले तो वह शिकायत करने से इंकार करती रही, लेकिन बाद में आडियो से उसके आवाज का मिलान कराया गया तो वही निकली।

छात्रा को घर भी ले जाते थे प्रोफेसर

वायरल आडियो में बातचीत के मुताबिक, छात्रा को प्रोफेसर अपने घर भी ले जाते थे। पत्नी को इसकी जानकारी होने के बाद भी वह विरोध करने का हिम्मत नहीं जुटा पाती थीं। पत्नी व बच्चों की मौजूदगी में वह छात्रा को लेकर काफी देर तक कमरे में रहते थे।

बारिश कम होने पर योगी ने किसानों को दिया आश्वासन, हम हर कदम पर आपके साथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अल्पवृष्टि की समीक्षा की और अफसरों से कहा कि अल्पवृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आंकलन करें। हम हमेशा किसानों के साथ हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अल्पवृष्टि के ष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुछ हिस्सों को छोड़कर ज्यादातर जिलों में गत वर्ष की तरह इस बार भी बारिश असामान्य है और इसमे निरंतरता नहीं है। ऐसे में किसानों की जरूरतों का पूरा ध्यान रखा जाए।

किसान हित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि बरसात कम हो या ज्यादा किसान चिंतित न हों, सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर हाल में नहरों के टेल तक पानी पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने सिंचाई एवं विद्युत विभाग को अलर्ट मोड में रहने के लिये निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी किसानों के खेत में हर हाल में पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए नदियों को चौनेलाइज करते हुए उनके पानी को नहरों में पहुंचाने की व्यवस्था करें। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि पानी हर हाल में नहर के टेल तक पहुंचे। नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस पेट्रोलिंग करे, ये सुनिश्चित किया जाए कि बीच में कोई नहरों को काटने न पाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता किसानों का हित हमारी प्राथमिकता है, ऐसे में अल्पवृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आंकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि जलाशयों में जमी सिल्ट की सफाई कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पवृष्टि में किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित किया जाए साथ ही इस बात को भी सुनिश्चित किया जाए कि नलकूपों और पंप कैनाल्स को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति हो।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अल्पवृष्टि की पाक्षिक रिपोर्ट बनाकर केंद्र सरकार को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि निजी ट्यूबवेल संचालकों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस वर्ष दक्षिण पश्चिम मानसून से अबतक कुल २८१.२ मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो कि सामान्य वर्षा का ८४.३ प्रतिशत है। बैठक में कृषि मंत्री की ओर से बताया गया कि प्रदेश में अबतक ८६.०७ प्रतिशत धान की बुवाई हुई है।

अपराधियों पर लगाम !

लखनऊ अपराधों पर लगाम लगाने की कोशिश में राजधानी के कई थानों की पुलिस ने आधा दर्जन अपराधियों को छह माह के लिए जिलावदर और 14 लोगों के किलाफ गुत्डा एक्ट की कार्रवाई की है।

तालकटोरा पुलिस ने गोलू उर्फ अभिषेक यादव पुत्र पप्पू निवासी 355/10क सरीपुरा थाना तालकटोरा पुलिस ने कई थानों में 14 आपराधिक मामले दर्ज होने पर अपराधों में लिप्त पाये जाने के कारण छह माह के लिए जिलावदर घोषित कर दिया है। वाजारखाला पुलिस ने अफ्फान पुत्र शकील अहमद निवासी अनुपम नगर मोतीझील कालोनी वाजारखाला को छह माह के लिए जिलावदर किया है। उसके खिलाफ 11 मामले दर्ज हैं।

वाजारखाला पुलिस ने जीशान पुत्र अब्दुल कदीर निवासी 293/11 पुराना हैदरगंज वाजारखाला को छह माह के लिए जिलावदर किया है। उसके खिलाफ दो थानों में लूट व शस्त्र अधिनियम के तहत चार मामले दर्ज हैं और वह अपराधों में लिप्त है। मानकनगर पुलिस ने अजय रावत पुत्र रामदयाल रावत निवासी गली नम्वर-2 रामनगर मानकनगर को छह माह के लिए जिलावदर किया है। उसके खिलाफ मानकनगर व ठाकुरगंज थानों में 14 मामले दर्ज हैं। माल पुलिस ने रामआसरे पुत्र विश्राम पासी निवासी ग्राम भानपुर माल को छह माह के लिए जिलावदर किया है। उसके खिलाफ पांच मामले दर्ज हैं। माल पुलिस ने रामखेलावन पुत्र विश्राम निवासी ग्राम भानपुर माल को छह माह के लिए जिलावदर किया

छह जिलाबदर, 14 पर लगा गुंडा एक्ट

है। उसके खिलाफ पांच मामले दर्ज हैं।

उधर, गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए गुडम्वा पुलिस ने ज्ञानेश मिश्रा पुत्र विजयपाल मिश्रा निवासी जानकीपुरम थाना गुडम्वा को गुंडा एक्ट में निरुद्ध किया है। उसके खिलाफ कई थानों में 10 मामले दर्ज हैं। विकासनगर पुलिस ने जयशंकर पांडेय उर्फ वाटू पुत्र दयाशंकर पांडेय निवासी विकासनगर को गुंडा एक्ट में निरुद्ध किया है। उसके खिलाफ छह मामले दर्ज हैं। चिनहट पुलिस ने छोटे मौर्या पुत्र राम प्रसाद निवासी रसूलावाद थाना मलिहावाद को गुंडा एक्ट में निरुद्ध किया है। उसके खिलाफ दो मामले दर्ज हैं। राजवीर सिंह पुत्र सकटू निवासी रसूलावाद मलिहावाद को गुंडा एक्ट में निरुद्ध किया है। उसके खिलाफ दो मामले दर्ज हैं। मलिहावाद पुलिस ने वीरेद्र पुत्र राम सहाय उर्फ मुन्ना निवासी दिलावर नगर थाना मलिहावाद और इसी थाना क्षेत्र के अरमान पुत्र वशीर निवासी तेरवा थाना मलिहावाद को गुंडा एक्ट में निरुद्ध किया है। तालकटोरा पुलिस ने सेठी उर्फ सरोज पुत्र चन्द्रपाल यादव निवासी मेंहदीखेड़ा तालकटोरा को गुंडा एक्ट में निरुद्ध किया। उसके खिलाफ 10 मामले हैं। चिनहट पुलिस ने पिंटू रावत पुत्र वहादुर रावत निवासी ग्राम हरदासीखेड़ा कमता चिनहट को गुंडा एक्ट में निरुद्ध किया। उसके खिलाफ चार मामले दर्ज हैं। धर्मेन्द्र कुमार रावत पुत्र वहादुर रावत पुत्र वहादुर रावत निवासी ग्राम हरदासीखेड़ा कमता चिनहट को गुंडा एक्ट में निरुद्ध किया। उसके खिलाफ चार मामले दर्ज हैं। अवनीत सिंह पुत्र केशव सिंह निवासी ग्राम रनीपारा थाना माल, चन्द्रशेखर पुत्र भज्जू, मो. यासीन पुत्र स्व. नत्थू, उत्तम पुत्र स्व. राजू निवासीगण वाहर गांव थाना इटौंजा को गुंडा एक्ट में निरुद्ध किया है। सभी के खिलाफ दो-दो आपराधिक मामले दर्ज हैं।

टैक्सचोरी में शामिल बसों पर कसेगा शिकंजा : देवमणि

लखनऊ टैक्सचोरी के माल की धर पकड़ के लिए राज्य जीएसटी आयुक्त मिनिस्ती एस के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में गोरखपुर जोन के एडीशनल कमिश्नर ग्रेड-2 देवमणि शर्मा के नेतृत्व में टीमों ने प्रदेश कर सवसे वड़ा खुलासा यह किया है, कि दिल्ली से लखनऊ के रास्ते अयोध्या होते हुए वड़ी मात्रा में टैक्सचोरी का माल गोरखपुर तक पहुंच रहा है।

राज्यकर के एडीशनल कमिश्नर ने संभागीय परिवहन अधिकारियों को लिखा पत्र

पिछले दिनों कई निजी वसों में टैक्सचोरी का माल पकड़े जाने के वाद टैक्स माफियाओं को इसकी भनक लग गयी और माल वस्ती, गोरखपुर पहुंचने से पहले ही दूसरे जिलों में उतारे जाने की सूचना मिलने के वाद एडीशनल कमिश्नर ने संभागीय परिवहन अधिकारियों को पत्र लिखकर राजकीय राजस्व की सुरक्षा के लिहाज से इसमें मदद मांगी है, जिससे दिल्ली से विना प्रपत्रों के गाड़ियों में माल लोड ही न किया जा सके। पिछले दिनों एडीशनल कमिश्नर ग्रेड-2 गोरखपुर को यह गोपनीय सूचना मिली थी, कि दिल्ली से कई वसे ऐसी रवाना हुई हैं, जिनमें रवारी की जगह सीटों पर टैक्सचोरी का माल लाया जा रहा है। दिल्ली से चली इन वसों पर अन्य जिलों के सचल दल अधिकारियों की नजर नही पड़ी, लेकिन पहले से तैयार खड़ी गोरखपुर की टीमों ने वसों को पकड़ लिया। परिवहन अधिकारियों को लिखे पत्र में एडीशनल कमिश्नर ने कानून का हवाला देते हुए कहा है कि वसों का परिवहन विभाग में पंजीयन सवारी ढोने के लिए है न कि माल, ऐसे में यदि कोई नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करना उचित होगा।

नदियां उफान पर, खेतों में पड़ा है सूखा

बरहज/देवरिया। जनपद में लोगों की अजीब दुर्दशा है। एक तरफ नेपाल में हुई बारिश के पानी से जहां जनपद की नदिया उफान पर आ रही हैं और तटवर्ती इलाकों के लोगों को बाढ़ का खतरा सताने लगा है। वहीं, जनपद में बारिश न होने से किसानों के खेतों में दरारें पड़ने लगी हैं जिससे उन्हें सूखे का खतरा सता रहा है। रजवाहे भी सूखे पड़े हैं। इससे किसानों की खेती की लागत बढ़ रही है। दो दिन पहले स्थिर रहा सरयू, राप्ती और गोर्रा नदियों का जलस्तर बृहस्पतिवार से बंधों की चढ़ाई चढ़ने लगा है। बरहज गेज स्थल से आई रिपोर्ट के मुताबिक सरयू अब खतरे के निशान से पांच सेमी ऊपर बह रही है।

वहीं, गोर्रा और राप्ती के जलस्तर में भी बृहस्पतिवार से चढ़ाव जारी है। इसके चलते तटवर्ती गांवों के लोग बाढ़ की आशंका से सहमे हुए हैं। परसिया देवार के बृजबिहारी यादव, घनश्याम आदि का कहना है कि जब भी नदी का पानी चढ़ता है तब उतार के दौरान कटान होने लगती है।ंषि योग्य भूमि नदी के पेट में समा जाती है। बता दें बुधवार की सुबह जिले की चारों नदियों का जलस्तर लगभग सामान्य था। बृहस्पतिवार की शाम से सरयू, राप्ती और गोर्रा नदी के जलस्तर में एक से डेढ़ मीटर की बढ़ोतरी हो गई। शुक्रवार की शाम सरयू खतरे के निशान ६६.५० मीटर को पार कर ६६.५५ के निशान पर बहने लगी। वहीं छोटी गंडक नदी का जलस्तर पहले की भांति सामान्य है।

नदियों का जलस्तर (मीटर में)

नदी - खतरा - जलस्तर

सरयू - ६६.५० - ६६.५५

राप्ती - ७०.५० - ६७.५५

गुर्रा - ७०.५० - ६७.७०

छोटी गंडक - ६३.८० - सामान्य

2020 में आई बाढ़ के दौरान घिर गए थे 19 टोले

भदिला प्रथम के मोहन सिंह का कहना था है कि जिला प्रशासन को सरयू नदी के बढ़ते जलस्तर को देख सतर्क मोड में रहना होगा। तीन साल पहले अगस्त २०२० में आई बाढ़ के कारण भदिला प्रथम, विशुनपुर देवार के १६ टोले बाढ़ के पानी से घिर गए थे। इस दौरान २५ हजार से अधिक की आबादी को दुश्वारी झेलनी पड़ी थी।

बोले लोग

जलस्तर बढ़ने से नदी के रास्ते होने वाले आवागमन में दिक्कतें बढ़ जाएंगी। लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी। जबकि मवेशियों के लिए चारा का संकट गहरा जाएगा। फिलहाल हालात सामान्य हैं।

- रामआसरे यादव, कटइलवा

नदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का पानी नालों के रास्ते बहने लगा है। बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न होने से फसलों को नुकसान होने के साथ-साथ मवेशियों के लिए चारा का संकट हो जाएगा। नदी बंधे पर टकरा रही है।

13 दिन में हुई 2.4 एमएम बारिश

नदियों के जलस्तर में भले ही चढ़ाव हो रहा हो मगर १३ दिनों में अभी तक महज २.४ एमएम बारिश ही हुई है। इससे खेतों में भी कहीं पानी नहीं लगा है। बाढ़ खंड के अधिकारियों का कहना है कि नेपाल में हो रही लगातार बारिश का असर जिले की नदियों में दिख रहा है। नेपाल में हो रही बारिश के चलते जिले की सरयू, राप्ती और गोर्रा नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई है। सरयू खतरे के निशान से पांच सेमी ऊपर बह रही है। हालांकि भयभीत होने की बात नहीं है। बंधे सुरक्षित और मजबूत हैं। निगरानी बढ़ा दी गई है।

गांव वालों को सताने लगी बाढ़ की चिंता

सलेमपुर। सरयू नदी का जलस्तर २४ घंटे से लगातार तेजी से बढ़ रहा है। इसके साथ ही तटवर्ती क्षेत्र के लोगों की धड़कनें बढ़ने लगीं हैं। नदी का जलस्तर तुर्तीपार रेगुलेटर पर चेतावनी के निशान को पार कर गया है। नदी तेजी से खतरे के निशान की तरफ बढ़ रही है। तुर्तीपार रेगुलेटर पर नदी का जलस्तर शुक्रवार दोपहर ६४.०२ मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी लेवल ६४.०० मीटर से २ सेंटीमीटर ऊपर है। तुर्तीपार रेगुलेटर के कर्मचारियों के अनुसार नदी दो सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रही है, जिससे पानी रिहायशी इलाकों की तरफ फैल रहा है। फिलहाल नदी रेगुलेटर पर अंकित खतरे के निशान ६४.३० से २८ सेमी नीचे बह रही है। लेकिन, नदी के जलस्तर में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही तटवर्ती इलाकों के लोगों को बाढ़ की चिंता सताने लगी है। लोगों में बाढ़ और कटान की आशंका को लेकर दहशत व्याप्त है। हालांकि, नदी के जलस्तर में वृद्धि इस साल पहली बार हो रही है।

नदी बीते सालों में जून के अंतिम सप्ताह में ही बढ़ जाती थी। तटवर्ती इलाका भागलपुर बलिया, छित्तूपुर, देवसियां, नरियांव, मईल, तेलिया के लोगों का मानना है कि अगर नदी की रफ्तार इसी तरह बढ़ता रहा तो तबाही तय है। एसडीएम बरहज अवधेश कुमार निगम ने बताया कि बाढ़ को लेकर तहसील प्रशासन मुस्तैद है। राहत चौकियों पर तहसील कर्मचारियों को तैनात कर दिया गया है, निगरानी रखी जा रही है।

बारिश से जलभराव और गंदगी, लोग परेशान, सड़कों के गड्ढे हुए जलमग्न

अलीगढ़। बारिश से कई इलाकों में जलभराव का संकट पैदा हो गया है। जलभराव के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। ऐसे में बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। अलीगढ़ में दोपहर बाद हुई रिमझिम बारिश शुक्रवार को एक बार फिर मौसम सुहाना हो गया। बारिश ने लोगों को उमस से राहत दिलाई। लेकिन जलभराव और गंदगी से लोग परेशान हैं। शहर में कई स्थानों पर गंदगी का अंबार है। बारिश के बाद सड़कों के गड्ढे जलमग्न हो गए हैं। जिससे चलते वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। हालांकि तापमान में कोई गिरावट नहीं आई है।

अलीगढ़ जिले का अधिकतम तापमान ३३.४ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से १ डिग्री कम था। वहीं न्यूनतम तापमान २७.६ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से २ डिग्री ज्यादा था। शुक्रवार सुबह उमस से लोग परेशान रहे। सुबह ६ बजे के बाद हल्की धूप निकली।

जिसने लोगों के पसीने छुड़ा दिए। दोपहर एक बजे के बाद काली घटाएं छा गईं। थोड़ी देर बाद रिमझिम बारिश शुरू हो गई। खबर लिखे जाने तक रिमझिम बारिश जारी थी। मौसम विभाग की मानें तो ३१ जुलाई तक बारिश की संभावना बनी हुई है।

कई स्थानों पर जलभराव और गंदगी

बारिश से कई इलाकों में जलभराव का संकट पैदा हो गया है। जलभराव के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा रहा है। ऐसे में बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं बारिश के बाद शहर की सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। जलभराव के कारण वह राहगीरों को दिखाई नहीं देते। नतीजतन वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं।

रामघाट रोड, दुबे का पड़ाव, हाथरस अड्डा, स्टेशन रोड पर सड़कों में गहरे गड्ढे हो गए हैं। कई स्थानों पर स्लैप हट गई हैं। शुक्रवार को शहर के एडीए, शागजमाल. ईदगाह, रोरावर, खैर रोड, गूलर रोड, घुडिया बाग, नौरंगाबाद, छावनी, कुंवर नगर, सुरेंद्र नगर, डोरी नगर, जयगंज, पला साहिबाबाद, भदेसी, रामघाट रोड आदि स्थानों पर जलभराव से लोग परेशान रहे।

शहर से गांव तक आई फ्लू का प्रकोप अस्पतालों में आई ड्रॉप की कमी

देवरिया। शहर से गांव तक आई फ्लू की चपेट में आकर लोग सीएचसी, पीएचसी, मेडिकल कालेज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। हालत यह है कि सरकारी अस्पताल में आई ड्रॉप की कमी पड़ रही है। तीन दिनों ११४४ मरीजों में करीब छह सौ मरीज मेडिकल कालेज में आई फ्लू के मरीज इलाज के लिए आए। इसके कारण मरीजों को दवा बाहर से खरीदनी पड़ रही है। जो दवाएं अस्पताल में बची हैं उनकी खपत तीन गुना हो गई है। तरकुलवा विकास खंड के अमवां गांव के करीब ६० लोग आई फ्लू की चपेट में आ गए हैं। इसके अलावा अन्य जगहों पर भी आई फ्लू की चपेट में लोग आ रहे हैं। इतना ही नहीं सबसे डर स्कूलों में है। एक बच्चे को होने के बाद अन्य भी चपेट में आ जा रहे हैं। इसके रोकथाम के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी ने लोगों को सजग रहने को कहा है।

बृहस्पतिवार को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज के नेत्र रोग में हर रोज से अधिक मरीजों की संख्या रही। जबकि ड्रॉप की कमी मरीजों को खली। यह हालत हर तहसील क्षेत्र के सीएचसी, पीएचसी पर भी देखने को मिला। खरजरवा निवासी गीता देवी ने बताया कि बगल के एक आदमी आंख की बीमारी से पीड़ित था। इसके बाद हमें भी हो गया। आंख में डालने के लिए बाहर से ६५ रुपये का ड्रॉप खरीदना पड़ा है। राघव नगर निवासी सृष्टि श्रीवास्तव व समृद्धि ने बताया कि अस्पताल में कुछ दवा न होने के कारण बाहर से १२५ रुपये की दवा खरीदनी पड़ी है। बरडीहा दल की आशा कार्यकर्ता ज्ञानमति देवी ने बताया कि बुधवार को अस्पताल में आई थी। यहां से जाने के बाद आंख लाल हो गई और दर्द हो रहा है। उसे भी कुछ दवा बाहर से लेनी पड़ी। बर्दगोनिया के राकेश सिंह नेत्र रोग से पीड़ित थे। आंख लाल और दर्द से परेशान थे। उन्हें दवा के साथ साफ-सफाई आदि की सलाह दी गई। अस्पताल के अलावा बाहर से दवा लेनी पड़ी। मेडिकल कालेज के डा. प्रकाश कुमार, डा. एसके सिंह, डा. तरुण ने बताया कि कंजेक्टिवाइटिस के लोग शिकार हो रहे हैं। इस तरह के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। लापरवाही बरतने से अल्सर का रूप ले सकता है, जिससे परेशानी काफी बढ़ सकती है।

गुजरात के धोराजी में मुहर्रम के जुलूस के दौरान बड़ा हादसा बिजली लाइन से टकराया ताजिया, दो लोगों की हुई मौत

राजकोट (गुजरात)। गुजरात के धोराजी में बड़ा हादसा सामने आया है। धोराजी में मुहर्रम के जुलूस के दौरान ताजिया बिजली लाइन से टकरा गया जिसमें २४ लोगों को करंट लग गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए धोराजी सरकारी अस्पताल और निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो लोगों की मौत, चार की हालत गंभीर

गुजरात के धोराजी में बड़ा हादसा सामने आया है। धोराजी में मुहर्रम के जुलूस के दौरान ताजिया बिजली लाइन से टकरा गया, जिसमें २४ लोगों को करंट लग गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

धोराजी के रसूलपारा इलाके का मामला

दरअसल, ये घटना धोराजी के रसूलपारा इलाके में हुई। मुहर्रम के मौके पर ताजिया निकाला जा रहा था। इसी दौरान ताजिया बिजली लाइन से टकराया गया। जिसके कारण २४ लोगों को करंट लग गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई।

घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

वहीं, घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए धोराजी सरकारी अस्पताल और निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना की जानकारी मिलते ही सरकारी अस्पताल और निजी अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हो गई है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे आला अधिकारी

धोराजी पुलिस और जीईबी अधिकारी समेत कई नेता मौके पर पहुंचे।

इसके अलावा डिप्टी एसपी रत्नो पीआई गोहिल, पीएसआई जडेजा भी धोराजी के निजी अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने घायलों के बारे में जानकारी ली।

हादसे का वीडियो आया सामने

बता दें कि हादसे का वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कैसे एक ताजिया बिजली की लाइन से टकरा गया। इस घटना के बाद कई लोग अचानक बेहोश होकर सड़क पर ही गिर गए और कुछ लोग इधर-उधर भागने लगे। हादसे के दौरान कई बच्चे भी करंट की चपेट में आए हैं।

तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले की पटाखा इकाई में विस्फोट, तीन महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत

चेन्नई। कृष्णागिरी के पुलिस अधीक्षक सरोज कुमार ठाकोर ने बताया कि पझायापेट्टई इलाके में रवि नाम के व्यक्ति की पटाखा फैक्ट्री के अंदर विस्फोट हुआ। आग आसपास की दुकानों और घरों तक फैल गई। पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया। तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले में एक पटाखा इकाई में भीषण विस्फोट हुआ। हादसे में तीन महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत की खबर है। पुलिस के मुताबिक, जिले के पझायापेट्टई में पटाखा बनाने वाले गोदाम में अचानक हुए विस्फोट से कई लोग घायल हो गए। विस्फोट से इकाई के पास के घर और कुछ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं। प्रभावितों को बचाने के लिए पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मी मौके पर पहुंच गए हैं।

आसपास की दुकानों और घरों तक फैल गई आग

कृष्णागिरी के पुलिस अधीक्षक सरोज कुमार ठाकुर ने बताया कि पझायापेट्टई इलाके में रवि नाम के व्यक्ति की पटाखा फैक्ट्री के अंदर विस्फोट हुआ। आग आसपास की दुकानों और घरों तक फैल गई। पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया।

बीते दिन विरुधुनगर में गई थी दो की जान

पुलिस अधीक्षक ठाकुर ने बताया कि सात लोगों को मृत घोषित कर दिया गया है और कुछ अन्य घायलों को इलाज के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। यहां एक और व्यक्ति की मौत हो गई है। घायलों को इलाज के लिए ष्णागिरी सरकारी मेडिकल क लेज अस्पताल भेजा गया। इससे पहले मंगलवार को विरुधुनगर जिले के शिवकाशी शहर में एक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में विस्फोट होने से दो लोगों की मौत हो गई थी।

एटा में दो बेटियों और मां का खौफनाक कदम अलग-अलग कमरे में मिलीं तीनों की लाशें

आगरा। मां और बेटियों की लाशें अलग-अलग कमरें में मिलीं। पुलिस घटनास्थल की जांच कर रही है। वहीं मां और दो बेटियों ने ये कदम क्यों उठाया, कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। उत्तर प्रदेश के एटा जिले के जलेसर में शनिवार दोपहर एक महिला और उसकी दो बेटियों ने खुदकुशी कर ली। तीनों अलग-अलग कमरों में फंदे से लटकी मिंली। एक साथ तीन आत्महत्या की खबर तेजी से क्षेत्र में फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निधौली कलां थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मीलगढी में दो बेटियों संग मां द्वारा की गई आत्महत्या की खबर से सनसनी फैल गई। बताया गया है कि यहां के रहने वाले नरेन्द्र सिंह यादव की पत्नी अनुराधा और उनकी दोनों बेटियां १७ वर्षीय संध्या और १६ वर्षीय शिवी की शव दोपहर के समय अलग-अलग कमरों में फंदे से लटके मिले। घरवालों ने जब ये नजारा देखा तो उनके होश उड़ गए। सूचना पर क्षेत्राधिकारी जलेसर मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मासूम से दुष्कर्म करने वालों के घर चला बुलडोजर

सतना। सतना के मैहर में १० वर्षीय मासूम के साथ दिल्ली के चर्चित निर्भया कांड की तरह दरिंदगी करने के मामले में आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चले हैं। शनिवार सुबह बड़ी संख्या में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम दोनों के घर पहुंची और मकान तोड़ने की कार्रवाई की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घटना सामने आने पर शुक्रवार को कहा था कि कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला सामने आया था। पुलिस ने रवींद्र कुमार रवि और अतुल बढ़ौलिया के तौर पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। दोनों बालिका को पहाड़ी पर ले गए और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। उसके बाद उसके प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डाल दी। उसे वहीं छोड़कर दोनों फरार हो गए थे। लड़की जख्मी हालत में घर पहुंची, जहां से परिजन उसे पहले मैहर के अस्पताल ले गए। बाद में उसे रीवा के अस्पताल में रैफर किया गया। दोनों आरोपी मैहर के शारदा माता मंदिर की प्रबंध समिति के कर्मचारी थे, जिन्हें मामला सामने आने के बाद नौकरी से निकाल दिया गया है।

वारदात के वक्त ड्यूटी पर होने का दावा

प्रशासनिक अफसरों की टीम जब अतुल बढ़ौलिया के घर को तोड़ने पहुंची तो वहां महिलाओं ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि वारदात के वक्त वह ड्यूटी पर था। उसे फंसाया जा रहा है। मामले में पूरी जांच के बाद ही कार्रवाई की जाए। हालांकि, प्रशासनिक अफसरों ने उनकी जरा भी नहीं सुनी और बुलडोजर चला दिया। पीड़िता के बयान पर ही रवींद्र और अतुल की शिनाख्त हुई थी। दोनों को कोर्ट ने दस अगस्त तक जेल भेज दिया गया है।

बड़ी संख्या में टीम पहुंची अतिक्रमण तोड़ने

प्रशासनिक अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ रवींद्र चौधरी के उदयपुर स्थित घर पहुंचे। वहां मकान को तोड़ने की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस मामले में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि मैहर में बेटी के साथ दुष्कर्म की जानकारी मिली है। मन पीड़ा से भरा हुआ है। व्यथित हूं। मैंने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि कोई भी अपराधी बचना नहीं चाहिए। पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि बेटी के समुचित इलाज की व्यवस्था की जाए। कोई भी अपराधी बचेगा नहीं, कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

गदर 2

अनिल शर्मा और मेरे बीच पिता-बेटी जैसा रिश्ता

दिल्ली। अमीषा पटेल ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म गदर २ के ट्रेलर लान्च इवेंट में फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा से अपने रिश्ते पर बात की। बीते दिनों अमीषा ने अनिल शर्मा और उनके प्रोडक्शन हाउस पर मिसमैनेजमेंट के आरोप लगाए थे। अब अमीषा ने कहा है कि उनके और अनिल शर्मा के बीच वैसा ही रिश्ता है जैसा पिता और बेटी के बीच होता है। अमीषा ने ये भी कहा कि उन दोनों के बीच अब भी काफी लड़ाईयां होती हैं। इटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक गदर २ के ट्रेलर लान्च इवेंट में अमीषा पटेल ने अनिल शर्मा के साथ उनके रिश्ते पर बात करते हुए कहा- हम लड़ते हैं, वाट्सऐप सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को ब्लाक भी कर देते हैं लेकिन हमारे बीच जल्दी सब कुछ ठीक भी हो जाता है। हमारा रिलेशनशिप ऐसा ही है।

अमीषा पटेल ने कहा था प्रोडक्शन हाउस ने नहीं दी आर्टिस्ट्स को सैलरी

दरअसल, अनिल शर्मा के प्रोडक्शन हाउस पर आरोप लगाते हुए अमीषा पटेल ने कहा था कि चंडीगढ़ में फिल्म की शूटिंग के दौरान प्रोडक्शन हाउस ने कई आर्टिस्ट्स को पूरे पैसे तक नहीं दिए। फिल्म को स्टूडियोज और अनिल शर्मा प्रोडक्शंस ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। अनिल शर्मा ने इन आरोपों पर जवाब भी दिए थे। उन्होंने कहा था कि ये बिल्कुल झूठ है, पता नहीं अमीषा ने ऐसा क्यों कहा पर हां उनके इस झूठ से अनिल शर्मा प्रोडक्शन हाउस और भी फेमस हो गया है।

कारगिल विजय दिवस के मौके पर रिलीज हुआ गदर 2 का ट्रेलर

हाल ही में कारगिल विजय दिवस के मौके पर फिल्म गदर २ का ट्रेलर लान्च हुआ। फिल्म में २२ साल बाद एक बार फिर सनी देओल तारा सिंह के रोल में दिखेंगे। वहीं, अमीषा पटेल सकीना के रोल में नजर आएंगी। ट्रेलर में दिखाया जाता है कि तारा सिंह और सकीना के बेटे जीते को पाकिस्तानी आर्मी टार्चर कर रही है। तारा सकीना से वादा करते हैं कि वो जीते को सही सलामत वापस ले आएंगे। इसके बात तारा लाहौर जाते हैं। अनिल शर्मा के बेटे उत्कर्ष शर्मा फिल्म में जीते का रोल कर रहे हैं। २००१ में आई फिल्म गदर में भी उन्होंने तारा और सकीना के बेटे का रोल किया था। गदर २ ११ अगस्त को थिएटर में रिलीज होगी।

गदर 2 के ट्रेलर लान्च इवेंट में बोलीं अमीषा, पहले लगाए थे मिसमैनेजमेंट के आरोप।

64 साल हुए संजू

6 साल के संजय ने पिता के सामने पी सिगरेट

दिल्ली। आज फिल्म स्टार संजय दत्त ६४ साल के हो चुके हैं। २६ जुलाई १९५९ को संजय दत्त का जन्म बाम्बे (अब मुंबई) में हुआ। लीजेंड्री एक्टर सुनील दत्त और नरगिस दत्त के बेटे संजय ने महज ३४ साल की उम्र में वो सब कुछ देखा और सहा, जिसकी कहानी पर ब्लाकबस्टर फिल्म संजू (२०१८) बन चुकी है। महज ६ साल की उम्र में अपनी मां नरगिस के सामने सिगरेट पीने की जिद करने वाले संजय ने १८ साल की उम्र में ही दुनिया का हर नशा कर लिया था। एक बार तो नशे में संजय दो दिनों तक सोए रहे। बम ब्लास्ट में नाम आया, जेल गए और अंडरवर्ल्ड से भी रिश्ते रहे। पिता सुनील दत्त और मां के साथ ने उन्हें नशे से निकाला, सालों तक कोर्ट के चक्कर काट कर आरोपों से मुक्ति पाई और अब लंग कैंसर की थर्ड स्टेज से भी निजात पा ली। आज संजय दत्त के जन्मदिन पर पढ़िए उनकी जिंदगी से जुड़े १० किस्से -

किस्सा–1: 6 साल की उम्र में पिता के सामने पी गए पूरी सिगरेट

एक बार संजय दत्त के पिता सुनील दत्त कश्मीर में एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। वैसे तो सुनील शूटिंग में अकेले आए थे, लेकिन कुछ समय बाद पत्नी नरगिस दत्त, ६ साल के बेटे संजय दत्त के साथ उनसे मिलने पहुंच गईं। एक दिन की बात है, जब सुनील शूटिंग पर थे और नरगिस होटल के कमरे में संजय के साथ अकेली थीं। मां को परेशान करने के लिए संजय ने सिगरेट पीने की जिद पकड़ ली। नरगिस ६ साल के बेटे की ये जिद देखकर नाराज हो गईं, लेकिन संजय नहीं माने। पिटाई हो ही रही थी कि इसी बीच सुनील दत्त शूटिंग खत्म कर कमरे में दाखिल हुए। नरगिस का गुस्सा और संजय की जिद दोनों सामने थी। इस समय सुनील साहब ने बेटे को डांटने की जगह पत्नी नरगिस दत्त को चुप करवा दिया और कहा, इसे सिगरेट पीने दो। सुनील ने खुद एक सिगरेट जलाई, एक कश लिया, धुआं निकाला और फिर सिगरेट बेटे की तरफ बढ़ा दी। उन्होंने कहा- धुआं अंदर खींचो और नाक से निकालो। उन्हें लगा था कि बेटा कश लेते ही खांस-खांसकर रह जाएगा और घुटन से जिद छोड़ देगा, लेकिन संजय ने बिना झिझक सिगरेट हाथों में ली और बिना खांसे पूरी सिगरेट पी गए। सुनील दत्त ने ऐसा करने पर संजय को धूप में खड़ा कर दिया था। ये किस्सा संजय दत्त की बहनों नम्रता और प्रिया ने सुनील दत्त और नरगिस पर लिखी गई बुक मिस्टर एंड मिसेस दत्त में लिखा था।

किस्सा– 2: सुनील दत्त के बिस्तर के नीचे सिगरेट पीते पकड़े गए, पिटाई के बाद पहुंचे बोर्डिंग स्कूल

बचपन से ही संजय दत्त बेहद शरारती थे। उनकी आदत थी कि जब भी सुनील दत्त सिगरेट पीने के बाद बची-खुची सिगरेट फेंकते थे तो वो उसे उठाकर पीना शुरू कर देते थे, लेकिन एक दिन उनकी चोरी पकड़ी गई। एक दिन घर में कई एक्टर-डायरेक्टर पहुंचे। सुनील दत्त उन्हें छोड़कर कमरे में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बिस्तर के नीचे से धुआं निकल रहा है। उन्हें लगा कहीं आग तो नहीं लग गई। जैसे ही झुककर बिस्तर के नीचे देखा तो संजय दत्त छिपकर सिगरेट के कश लगा रहे थे। सुनील साहब ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और जोरदार पिटाई कर दी। इसके बाद संजू को बोर्डिंग स्कूल भेज दिया गया।

किस्सा– 3: संजय दत्त को गे समझने लगी थीं मां नरगिस

संजय दत्त घर में सबसे छोटे थे तो जाहिर है कि लाड़-प्यार भी उनके हिस्से सबसे ज्यादा आया। कालेज के दिनों में संजय दत्त अपना ज्यादातर समय अपने दोस्तों के साथ बिताते थे। आधे समय वो घर से बाहर रहते और आधे समय दोस्तों को साथ घर ले आते। जैसे ही संजय के दोस्त उनके घर आते तो वो सीधे कमरे में जाते और अंदर से दरवाजा लगा लेते। देखते-ही-देखते मां नरगिस उनके इस बर्ताव से चिढ़ने लगीं। एक दिन उन्होंने अपनी दोस्त को काल लगाया और कहने लगीं, संजय के दोस्त आते हैं तो उसका रूम हमेशा लाक रहता है, समझ नहीं आ रहा क्या बात है, कहीं वो गे तो नहीं है। नरगिस की काल पर हुई ये बातचीत उनकी बेटी नम्रता ने सुनी थी, जिसे उन्होंने संजय की बायोग्राफी में बताया है।

किस्सा– 4: सुनील दत्त नहीं चाहते थे हीरो बने बेटा, दोस्तों ने कहा– तू हीरो जैसा दिखता है, तो चढ़ा फितूर

संजय दत्त की शरारतें और उनका बिगड़ा बर्ताव देखकर सुनील दत्त नहीं चाहते थे कि संजय दत्त फिल्मों में आएं। हालांकि, उन्होंने अपने डायरेक्शन की फिल्म रेशमा और शेरा की कव्वाली में संजय को जगह दी थी। जब संजय दत्त कालेज पहुंचे तो उनके दोस्त बढ़-चढ़कर कहते कि तू तो हीरो जैसा दिखता है। फिर क्या था, संजय भी चढ़ गए और घर आकर मां नरगिस दत्त से कह दिया कि मुझे हीरो बनना है। नरगिस जी ने पति सुनील को मना लिया। पहले संजय को एक्टिंग की ट्रेनिंग के लिए भेजा गया और फिर सुनील साहब ने खुद उनके लिए फिल्म राकी डायरेक्ट की। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान संजय दत्त ड्रग एडिक्ट बन गए। उसी दौरान जब मां नरगिस को कैंसर डिटेक्ट हुआ तो संजय को नशे का नया बहाना भी मिल गया। संजय दत्त अपने मां-बाप की मौजूदगी में घर के बाथरूम में छिपकर ड्रग्स लिया करते थे। इन ड्रग्स में कोकीन और हीरोइन जैसे वो हर ड्रग थे, जो मार्केट में मिलते थे।

किस्सा– 5: शूटिंग के दौरान सुनील दत्त ने नौकर से कहा– जाओ संजू बाबा को बुला लाओ, आए तो नशे में थे

संजय दत्त की पहली फिल्म राकी की शूटिंग का पहला शेड्यूल कश्मीर में २० दिनों का था। तब तक संजय ड्रग एडिक्ट बन चुके थे। नशे का सामान वो साथ ले गए थे और समय-समय पर इस्तेमाल करते थे। यही कारण रहा कि वो पिता सुनील दत्त से दूरी बनाए रखते थे। पहला सीन हुआ, जिसमें उछल-कूद करते हुए संजय ने बेहतरीन शाट दिया और सेट तालियों से गूंज उठा। एक दिन सुनील दत्त ने एक सीन पर चर्चा करने के लिए नौकर से कहा कि जाओ संजू बाबा को बुला लाओ। वो नौकर उन्हें बुलाने पहुंचता, उससे पहले ही संजय दत्त नशा कर चुके थे। नशे ने भी अपना काम दिखाना शुरू किया और जब संजय सुनील दत्त के पास पहुंचे तो वो नशे में धुत्त थे। संजय को देखकर पिता के होश उड़ गए। नाराजगी रही, लेकिन अपने सदमे को उन्होंने दूसरे लोगों से छिपाकर रखा और घर पहुंचने के इंतजार में खामोश रहे। जब शूटिंग के दौरान नरगिस की तबीयत नाजुक हुई तो सुनील दत्त, फिल्म का निर्देशन राज खोसला के भरोसे छोड़कर निकल गए। वो फिल्म में संजय के पिता की भूमिका निभाने वाले थे, लेकिन उनकी जगह विनोद खन्ना को कास्ट किया गया।

कुलदीप की शानदार गेंदबाजी

4 विकेट
ओवर: 3
रन: 6
इकोनॉमी: 2.00

टीम में लगातार जगह नहीं मिलने पर बोले

कुलदीप यादव

कहा- सिलेक्शन नहीं होना मेरे लिए सामान्य बात

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने टीम में लगातार जगह नहीं मिलने पर कहा कि, टीम से बाहर होना मेरे लिए सामान्य बात है। कुलदीप ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मुकाबले में तीन ओवर में ६ रन देकर ४ विकेट लिए। जिससे भारत ने ५ विकेट से जीत दर्ज की। कुलदीप ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मुझे कई बार हालात और टीम कॉम्बिनेशन की वजह से प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिल पाता है। मुझे टीम इंडिया से खेलते हुए ६ साल हो गए हैं। ऐसे में यह अब मेरे लिए सामान्य बात है।

लाइन लेंथ पर गेंद डालने पर फोकस

कुलदीप ने कहा कि मैं विकेट लेने के बारे में अब ज्यादा नहीं सोचता हूं। मेरा फोकस बॉल को सही लेंथ पर रखने का होता है । पिछले डेढ़ साल में जब भी मौका मिला है, मैंने गुड लेंथ पर बॉल डालने की कोशिश की है। मैं लगातार अच्छी गेंदबाजी करना चाहता हूं। जहां तक विकेट का सवाल है तो कभी विकेट मिलते है और किसी दिन नहीं मिलते। मैं वैरिएशन तभी अजमाता हूं जब विरोधी टीम चार से पांच विकेट गंवा चुकी होती है।

चहल मदद करते है – कुलदीप

कुलदीप ने कहा कि टीम में ज्यादा क म्पिटिशन होने से अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। मैने छब। में अपनी गेंदबाजी पर काम किया है। मौका मिलने पर मैं उसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करता हूं। कुलदीप ने यजुवेंद्र चहल के साथ अपनी जोड़ी पर कहा कि हमारा तालमेल बेहतरीन है। वह मेरी काफी मदद करते हैं और कोशिश करते है कि मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। इसी तरह जब वह गेंदबाजी करते हैं तो मैं उन्हें अपनी राय देता हूं।

T-20 WC-2024 के लिए क्वालिफाइड टीमें

होम टीम
वेस्टइंडीज | अमेरिका

2022 वर्ल्ड कप पॉइंट्स टेबल से
इंग्लैंड | नीदरलैंड
पाकिस्तान | ऑस्ट्रेलिया
भारत | श्रीलंका
न्यूजीलैंड | साउथ अफ्रीका

टॉप-10 रैंकिंग से
बांग्लादेश | अफगानिस्तान

क्वालिफायर स्टेज से
आयरलैंड | स्कॉटलैंड | पापुआ न्यू गिनी

5 जगह खाली
एशिया रीजन 2 टीमें | अफ्रीका रीजन 2 टीमें | अमेरिका रीजन 1 टीम

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीमें

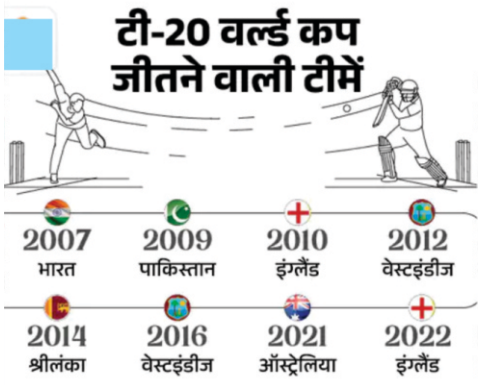

2007	2009	2010	2012
भारत	पाकिस्तान	इंग्लैंड	वेस्टइंडीज
2014	**2016**	**2021**	**2022**
श्रीलंका	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड

टी-20 वर्ल्ड कप का 9वां संस्करण अमेरिका और वेस्टइंडीज में 2024 में खेला जाएगा। **हम आपको टी-20 वर्ल्ड कप के बारे में बता रहे हैं।**

2004
टी-20 की शुरुआत हुई। साउथ अफ्रीका में पहला टी-20 वर्ल्ड कप 2007 में हुआ। इसे भारत ने जीता।

टी-20 वर्ल्ड कप हर 2 साल में होता है।

2022 | डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड टीम ने खिताब जीता था।

टी-20 वर्ल्ड कप खिताब

2007	2009	2010	2012
भारत	पाकिस्तान	इंग्लैंड	वेस्टइंडीज
2022	**2021**	**2016**	**2014**
इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	वेस्टइंडीज	श्रीलंका

श्रीलंका ने सबसे ज्यादा 51 मैच खेले और 31 मैच जीते हैं। | **भारत ने 44 मैच खेले और 27 में जीत हासिल की।**

सबसे ज्यादा रन कोहली ने बनाए हैं।

1141 | रन विराट के नाम 27 मैच में हैं।

सबसे ज्यादा विकेट शाकिब ने लिए हैं।

शाकिब अल हसन के नाम 36 मैच में 47 विकेट हैं।

भारत से रवि अश्विन ने 24 मैच में 32 विकेट लिए हैं।

जुलाई 2022 में वनडे से लिया था संन्यास

टी–20 वर्ल्ड कप अगले साल 4 से 30 जून तक

क्रिकेट इतिहास में अमेरिका को पहली बार मेजबानी वेस्टइंडीज समेत 10 शहरों में 55 मैच

स्पोर्ट्स डेस्क। २०२४ का टी-२० वर्ल्ड कप ४ से ३० जून तक खेला जाएगा। अमेरिका और वेस्टइंडीज के १० शहरों में २७ दिन तक २० टीमों के बीच ५५ मैच होंगे। १४७ साल के क्रिकेट इतिहास में अमेरिका पहली बार प्ब के किसी ग्लोबल इवेंट की मेजबानी करेगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अमेरिका के शार्टलिस्ट किए गए ४ शहरों को इंस्पेक्ट कर लिया है, इनमें से ३ को इंटरनेशनल स्टेटस नहीं मिला है। अगले कुछ महीनों में सभी वेन्यू फाइनल कर दिए जाएंगे।

वर्ल्ड कप होस्टिंग के लिए इंटरनेशनल स्टेटस जरूरी

अमेरिका के ४ शहरों फ्लोरिडा, मोरिसविले, डालास और न्यू यार्क को फिलहाल शार्टलिस्ट किया गया है। इनमें केवल फ्लोरिडा स्थित लाडरहिल स्टेडियम को ही इंटरनेशनल स्टेटस मिला है। यहीं अगस्त में भारत और वेस्टइंडीज के बीच २ टी-२० मैच भी खेले जाएंगे। बाकी ३ शहरों को इंटनरेशनल स्टेटस मिलना बाकी है। गाइडलाइन के अनुसार, वर्ल्ड कप होस्टिंग के लिए इंटरनेशनल स्टेटस मिलना जरूरी है। मोरिसविले (चर्च स्ट्रीट पार्क) और डालास (ग्रैंड पीयर स्टेडियम) में फिलहाल मेजर लीग टी-२० टूर्नामेंट के मैच खेले जा रहे हैं, जबकि न्यू यार्क (वैन कोर्टलैंट पार्क इन द ब्रान्क्स) में फ्रेंचाइजी या इंटरनेशनल किसी भी लेवल का कोई मैच आयोजित नहीं हुआ। अमेरिकी शहरों में टूर्नामेंट के कुछ मैचों के साथ ज्यादातर वार्म-अप मुकाबले होंगे। वहीं वेस्टइंडीज में वार्म-अप मैच कम और मुख्य मुकाबले ज्यादा होंगे। फ्लोरिडा के लाडरहिल शहर में न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच पहला इंटरनेशनल मैच २०१० में खेला गया था। न्यूजीलैंड ने इस टी-२० मुकाबले को २८ रन से जीता था। इस स्टेडियम में अब तक १४ इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। फ्लोरिडा के लाडरहिल शहर में न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच पहला इंटरनेशनल मैच २०१० में खेला गया था। न्यूजीलैंड ने इस टी-२० मुकाबले को २८ रन से जीता था। इस स्टेडियम में अब तक १४ इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं।

IND Vs WI सीरीज में भारत के टॉप प्लेयर्स

ईशान किशन — 52 रन
मैच 1
स्ट्राइक रेट 113.04

कुलदीप यादव — 4 विकेट
मैच 1
इकोनॉमी 2.00

रवींद्र जडेजा — 16 रन
मैच 1
विकेट 3

पापुआ न्यू गिनी ने टी-20 विश्व कप में जगह बनाई

पोर्ट मोरेस्बी। पापुआ न्यू गिनी ने वेस्ट इंडीज और अमेरिका में होने वाले 2024 आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पूर्वी एशिया प्रशांत क्वालीफायर से यह एकमात्र टीम है और टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली 15वीं टीम वन गई है। पापुआ न्यू गिनी ने शुक्रवार को फिलीपीन को 100 रन से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। पहले वल्लेवाजी करते हुए पापुआ न्यू गिनी ने छह विकेट पर 229 रन वनाए। जवाव में फिलीपीन की टीम 129 रन पर सिमट गई।

लॉरेन के गोल से इंग्लैंड ने डेनमार्क को शिकस्त दी

सिडनी। लॉरेन जेम्स के गोल की मदद से यूरोपीय चैंपियन इंग्लैंड ने शुक्रवार को महिला विश्व कप के मैच में डेनमार्क को 1-0 से पराजित किया। इस जीत से इंग्लैंड की टीम इस टूर्नामेंट में नार्वे के लगातार 15 मैचों में गोल करने के रिकॉर्ड के वरावर पहुंच गयी। इंग्लैंड की टीम इस जीत से ग्रुप डी से अगले दौर में पहुंचने के करीव भी पहुंच गयी है और अव अंतिम ग्रुप मैच में उसका सामना एडीलेड में चीन से होगा जवकि डेनमार्क की भिड़ंत पर्थ में हैती से होगी।

अर्जेंटीना ने दक्षिण अफ्रीका से ड्रा खेला

डुनेडिन। अर्जेंटीना ने पांच मिनट के भीतर दो गोल करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला फुटवॉल विश्व कप का मैच 2-2 से ड्रा करा लिया। इस ड्रा से दोनों टीमों को ग्रुप जी में एक-एक अंक मिला। स्वीडन और इटली तीन तीन अंक लेकर शीर्ष पर हैं। अर्जेंटीना के लिए सोफिया ब्राउन ने 74वें और रोमिना नुनेज ने 79वें मिनट में गोल दागे जवकि दक्षिण अफ्रीका के लिये लिंडा ने 30वें और थेम्वी गातलाना ने 66वें मिनट में गोल करने में सफलता पायी।

एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंचने पर ही खेल पाएंगी हरमनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर एशियाई खेलों में तभी खेल पाएंगी अगर टीम 23 सितम्वर से हांगझोउ में शुरू होने वाले इन खेलों के फाइनल में पहुंच जाए। आईसीसी टी-20 रैंकिंग की वदौलत भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और वांग्लादेश सीधे अंतिम आठ चरण से खेलेंगी। हरमनप्रीत पर हाल में वांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में अंपायरिंग की आलोचना करने के लिए दो मैचों का प्रतिवंध लगा हुआ है। वह क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाएंगी जो निश्चित रूप से एसोसिएट देश के खिलाफ होगा जिसके वाद पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ सेमीफाइनल में भी वह मैदान में नहीं उतर पाएंगी।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक हॉकी टीम को एनओसी

कराची। पाकिस्तान हॉकी टीम को तीन अगस्त से चेन्नई में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की यात्रा करने की अनुमति मिल गई है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचके) सचिव हैदर हुसैन ने शुक्रवार को पुष्टि की कि उन्हें गृह मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल गया है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तानी टीम मंगलवार को वाघा वॉर्डर से अमृतसर की यात्रा करेगी और वहां से घरेलू उड़ान पकड़कर चेन्नई पहुंचेगी।'

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर. से प्रकाशित। पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।